यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार : 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2016–19/34/2018 **दिनांक :** 04.04.2018

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

एआईबीईए का 2सरा राष्ट्रीय युवा सम्मेलन

एआईबीईए का 2सरा राष्ट्रीय युवा सम्मेलन 24 से 26 मार्च को मुम्बई में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस विषय में एआईबीईए केन्द्रीय कार्यालय ने परिपत्र संख्या 28/48/2018/11 दिनांक 02.04.2018 जारी किया है जिसका अनूदित सार हम आप सभी की सूचना एवं संज्ञान हेतु नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रिय साथियों,

- **हमारा 2सरा राष्ट्रीय युवा सम्मेलन एक शानदार सफलता**
- **हमारे युवाओं ने एआईबीईए में पुनः अपनी आस्था एवं विश्वास प्रदर्शित किया**
- **उनकी उत्साही भागीदारी – एक महान प्रेरणा**

24 से 26 मार्च को मुम्बई में आयोजित एआईबीईए का 2सरा राष्ट्रीय युवा सम्मेलन एक महान और मंत्रमुग्धकारी सफलता के रूप में सम्पन्न हुआ। एआईबीईए के लगभग 1000 युवा सदस्यों ने देशभर से, सभी राज्यों से तथा सभी बैंकों से सम्मेलन में भाग लिया।

ऐसे समय में जब कि कुछ असंतुष्ट और शरारती तत्व युवा कर्मचारियों को भ्रमित करने और यूनियनों के विरूद्ध असंतोष पैदा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं, सम्मेलन में हमारे युवा सदस्यों की इतनी बड़ी संख्या में हितकर और उत्साही उपस्थिति और सम्मेलन की कार्यवाहियों में उनकी जीवंत भागीदारी इस तरह की विरोधी ताकतों की कुटील चालों के लिए एक सही जबाव था।

श्रम संगठन आन्दोलन में उनका विश्वास, एआईबीईए के ध्वज के लिए उनकी प्रतिबद्धता और निष्ठा, एकता और संघर्ष के सिद्धान्तों के लिए उनका अटूट विश्वास और भरोसा, तथ्यों और परिस्थितियों को समझने के लिए उनकी उत्सुकता और गम्भीरता, उनकी पारदर्शी चिंता और सीखने की इच्छा, जिम्मेदारियों को संभालने की उनकी तत्परता, नेतृत्व गुणों को धारण करने की उनकी क्षमता – सभी हमारे सम्मेलन में प्रचुर प्रदर्शन में थे।

जारी पृष्ठ 2

उद्घाटन सत्र : वयोवृद्ध राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता तथा स्वागत समिति के अध्यक्ष, **डा0 बालचन्द्र कांगो** ने अपने स्वागत भाषण में युवा सम्मेलन के आयोजन के लिए एआईबीईए की सराहना की और आशा व्यक्त की कि सम्मेलन का परिणाम कामगार वर्ग तथा एआईबीईए के संघर्षों के लिए अधिक प्रतिबद्ध करने के लिए बैंकों में युवा कर्मचारियों को सक्षम करेगा।

साथी राजेन नागर, अध्यक्ष, एआईबीईए, ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बैंकिंग क्षेत्र और बैंक कर्मचारी आन्दोलन द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को इंगित किया। उन्होंने एआईबीईए आन्दोलन के निर्माण में महाराष्ट्र के नेताओं जैसे साथी डी.पी. चढ्डा, साथी के.के. मुंडुल, साथी एन.एस. पुराव तथा साथी धोपेश्वारकर द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिकाओं को याद किया। उन्होंने सलाह दी कि द्विपक्षीय वेतन समझौते के लिए संघर्ष करने के अतिरिक्त, हमें अपनी आजीविका को बचाने तथा सार्वजनिक क्षेत्र बैंकिंग को बचाने के लिए भी संघर्ष करना चाहिए।

साथी सी.एच. वेंकटचलम्, महामंत्री, एआईबीईए ने अपने भाषण में बताया कि सम्मेलन का आयोजन क्यों किया गया और युवा सदस्यों को ट्रेड यूनियन संगठन में सक्रिय होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले सात दशकों में एआईबीईए की सफलता का एकमात्र कारण कर्मचारियों की एकता और संघर्षों में उनकी जुझारू भागीदारी थी। उन्होंने आगाह किया कि जबकि बैंक कर्मचारी न्यायपूर्ण तरीके से बेहतर वेतन की पात्रता रखते हैं और एआईबीईए इसके लिए संघर्ष करती रहेगी, उसी समय, हमें आजीविका तथा आजीविका सुरक्षा पर हमलों के बारे में जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि बैंक कर्मचारियों की वर्तमान पीढ़ी को समस्याओं तथा श्रमिकों के हित के साथ स्वयं को पहचानना चाहिए जो अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं तथा जिनका सबसे अधिक शोषण किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि, डा0 युगल रायलू, विभागाध्यक्ष, व्यावसायिक प्रशिक्षण, धरमपेठ विज्ञान कॉलेज, नागपुर ने अपने शिक्षाप्रद और प्रेरक भाषण के साथ प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने बैंक युवाओं को एआईबीईए के ध्वज तले पर्याप्त रूप से उन्मुख होने के लिए इस अवसर पर उठने का आह्वान किया, जिसकी बैंक कर्मचारियों को एकजुट करने की और राष्ट्रीयकृत बैंकिंग क्षेत्र की रक्षा करने के साथ ही बैंक कर्मचारियों के लाभों के लिए संघर्ष करने में कटु संघर्षों के विशेष प्रयास करने की महान परंपरा है। उन्होंने इंगित किया कि हमारे पास पूंजीपतियों के आक्रमणों और लुटेरों के हमलों से निपटने की स्पष्ट भूमिका है जो वित्तीय संस्थानों को निगलना चाहते हैं।

साथी एमिल ओलसन, डब्लूएफटीयू : वर्ल्ड फैडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स की ओर से, डब्लूएफटीयू की युवा कार्यकारिणी समिति के अंतर्राष्ट्रीय कोऑर्डीनेटर, डेनमार्क से साथी एमिल ओलसन ने विशेष अतिथि के रूप में हमारे सम्मेलन में भाग लिया। साथी ओलसन ने कहा कि वह एक बहुत ही साधारण परिवार से हैं और उनके पिता एक निर्माण श्रमिक थे और वह स्वयं निर्माण कार्य में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी मजदूर वर्ग आन्दोलन में रूचि हो गई। उन्होंने कहा कि कैसे वह भारत के नेताओं विशेषकर महात्मा गांधी और अन्य लोगों से प्रेरित थे, जिन्होंने उन्हें मजदूर वर्ग के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने डब्लूएफटीयू के पूरे सदस्यों की ओर से सम्मेलन के युवाओं को बधाई दी। साथी ओलसन ने कहा कि दुनियाभर में, लालची पूंजीवादी श्रमिकों को हाशिए पर लगा रहे हैं और श्रमिक विशेषकर युवा दैनिक आधार पर किए गए कार्य के लिए अपना उचित हिस्सा प्राप्त नहीं कर रहे हैं। इसलिए, इन आक्रमणों से संघर्ष करने के लिए, डब्लूएफटीयू ने विश्व के युवाओं को संगठित किया है। इसलिए, भविष्य का नेता बनने के लिए, युवाओं को श्रम संगठन आन्दोलन तथा राष्ट्र, मजदूरों, उपेक्षित तथा असंगठित लोगों के कल्याण पर ध्यान केन्द्रित करने के सार्वभौम और सामजिक कार्यों

जारी पृष्ठ 3

में शामिल करना चाहिए। **उन्होंने कहा कि श्रमिकों के जीवन को बदलकर राष्ट्र के जीवन को बदलना उद्देश्य होना चाहिए।** उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि मजदूर वर्ग को दुनिया भर की साम्राज्यवादी ताकतों से उत्पन्न होने वाले भारी मुनाफे का फायदा नहीं हुआ है और श्रमिकों का उचित हिस्सा प्राप्त करने के लिए, संघर्ष करने के अतिरिक्त कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित कर्मचारी भी कमी पर हैं और अधिक रोजगार सुरक्षा के बिना हैं और सामूहिक सौदेबाजी के लाभ को ध्वस्त किया जा रहा है। इसलिए, श्रम संगठन ध्वज के तहत युवाओं को संगठित करना आवश्यक है। युवा कर्मचारी और युवा नई प्रौद्योगिकियों से खुद को शिक्षित करें और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करें।

साथी ओलसन ने बताया कि नई प्रौद्योगिकियों की शुरूआत के साथ, कई नौकरियां समाप्त हो रही हैं और श्रमिकों को बेरोजगार बना दिया है। इसलिए, यह जरूरी है कि श्रमिकों को खुद को शिक्षित करना चाहिए और नई परिस्थितियों के अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मजदूर वर्ग पर हमले पूंजीपतियों और साम्राज्यवादियों की योजनायें हैं और वे बेरोजगारी का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं और उचित मुआवजे के बिना नौकरियों के साथ उन्हें लुभाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, पूंजी का संकट है लेकिन फिर भी वे अधिक लाभ पाने की कोशिश कर रहे हैं। साथी ओलसन ने कहा कि **श्रमिक गुलाम नहीं होंगे बल्कि नए विश्व के मालिक होंगे।** उन्होंने यूनियनों को सुदृढ़ करने के लिए बैंकों के युवाओं को सलाह दी और अपनी शक्ति के साथ, वे सफल होंगे।

एआईबीओए की ओर से शुभकामनायें : एआईबीओए के उप महामंत्री, साथी नरेन्द्र कोटियावाला ने एआईबीओए की शुभकामनायें व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि युवा एआईबीईए तथा एआईबीओए के भविष्य हैं। साथी कोटियावाला ने कहा कि नेताओं ने बात की है और सम्मेलन में बोलने का, अपनी शंकाओं को स्पष्ट करने का और नेताओं से ध्वज लेकर गतिविधियों में खुद को शामिल करने का, आने वाले दिनों में एआईबीईए के ध्वज को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का यह युवाओं का समय है। साथी कोटियावाला ने साथी तारकेश्वर चक्रवर्ती तथा आन्दोलन के अन्य नेताओं के साथ अपनी संगति और कैसे वह उनके द्वारा प्रेरित हुए को याद किया। उन्होंने युवा सम्मेलन की पूर्ण सफलता की कामना की।

पद्मश्री सुश्री सुचेता दलाल : मनीलाइफ फाउंडेशन तथा प्रसिद्ध खोजी पत्रकार सुश्री सुचेता दलाल ने विशेष आमंत्रित के रूप में सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आरबीआई गवर्नर ऊर्जित पटेल की ओर से यह कहना गलत था कि आरबीआई के पास सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की निगरानी के लिए कोई अधिकार नहीं है। ग्लोबल ट्रस्ट बैंक की विफलता के उदाहरण का हवाला देते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि यह दावा करने का तथ्य नहीं है कि निजी क्षेत्र के बैंक बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। वह आश्चर्यचकित थीं कि कैसे आरबीआई तथा पीएनबी शीर्ष प्रबंधन नीरव मोदी के पक्ष में सैंकड़ो एलओयू जारी करने के बारे में अनभिज्ञता का दावा कर सकते हैं। उन्होंने बैंकों के निजीकरण की बढ़ती मांग पर ध्यान आकर्षित किया और आग्रह किया कि इससे प्रभावी ढंग से संघर्ष किया जाना चाहिए। उन्होंने सेवा शुल्कों और जुर्मानों के माध्यम से बैंक ग्राहकों के कन्धों पर खराब ऋणों को वसूल करने की अपनी विफलता के बोझ को डालने के बैंक प्रबंधन के प्रयासों की भी आलोचना की। उन्होंने महसूस किया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बचाने के लिए एआईबीईए के अभियान और संघर्षों को समान विचार धारा वाली ताकतों और संगठन को शामिल करने के लिए फैलाया जाना चाहिए जिससे कि सरकार पर आवश्यक दबाव बनाया जा सके।

श्री अरविन्द सावंत, सांसद, शिव सेना : श्री अरविन्द सावंत, सांसद, शिवसेना ने सम्मेलन को बधाई दी। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर हमले की रक्षा में एआईबीईए द्वारा निभाई जा रही प्रमुख भूमिका की सराहना की और

जारी पृष्ठ 4

इन प्रयासों में अपनी पार्टी के समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने देश में परिस्थितियों की बात की और कहा कि देश में परिस्थितियां अच्छी नहीं हैं, अर्थव्यवस्था अच्छी नहीं है, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक खराब ऋणों की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। लेकिन, हमें आम आदमी के लाभ के लिए और अर्थव्यवस्था को पुर्नजीवित करने के लिए तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश के गरीबों को उनके कष्ट से बाहर निकाला जाये, के लिए काम करना चाहिए, उन्होंने कहा। उन्होंने इस युवा सम्मेलन के आयोजन के लिए एआईबीईए को बधाई दी और सम्मेलन की सफलता की कामना की।

श्री कुमार केतकर, राज्यसभा सदस्य : एआईबीईए के पुराने मित्र, श्री कुमार केतकर का हाल में राज्य सभा का सदस्य चुने जाने के लिए अभिनन्दन किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने एआईबीईए के साथ अपने सहयोग तथा बैंकों के राष्ट्रीयकरण के लिए संघर्ष में एआईबीईए द्वारा निभाई गई अग्रणी भूमिका को स्मरण किया। उन्होंने आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बड़े पैमाने पर योगदान की प्रशंसा की लेकिन बैंकों के निजीकरण के वर्तमान प्रयासों के विरूद्ध आगाह किया। उन्होंने अपना विश्वास व्यक्त किया कि एआईबीईए बैंकों तथा बैंक कर्मचारियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों से प्रभावी रूप से संघर्ष करेगी।

प्रतिनिधि सत्र : युवा अध्यक्ष मण्डल : युवाओं को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में, 4 सत्रों के पूरे सम्मेलन की **अध्यक्षता** विभिन्न राज्यों के **52 युवा साथियों द्वारा की गई** थी। जिस तरह से उन्होंने प्रतिनिधि सत्र की कार्यवाही का आयोजन किया, उनकी क्षमताओं का पर्याप्त संकेत था।

प्रतिनिधियों द्वारा चर्चा : सभी राज्यों से **95** युवा प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया और मुद्दों, समस्याओं, मांगों और अपनी अपेक्षाओं पर विभिन्न दृष्टिकोण और सुझाव व्यक्त किए। वे बहुत जोरदार, स्पष्ट, मुखर और मुद्दे तक केन्द्रित थे। संगठन में सुधार करने और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उनकी ओर से कई मान्य सुझाव थे। उनकी ऊर्जा और जीवंतता स्पष्ट और दृश्यमान थी और काफी प्रशंसनीय थी। उनके भाषणों ने संगठन के प्रति उनकी स्पष्टता और प्रतिबद्धता को परिलक्षित किया।

आपकी अदालत : विभिन्न सवालों और संदेहों से निपटने के लिए एक श्रेष्ठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जो युवा कर्मचारियों के मन में घूम रहे हैं, विशेष रूप से वेतन आयोग, आदि से सम्बन्धित। यह एक रोचक कार्यक्रम था और कई गलत सूचनाओं, संदेहों, झूठे प्रचार को स्पष्ट करने में मदद की और कई सवालों को स्पष्ट करने में मदद की।

लोगों से मुलाकात जत्था कार्यक्रम : एमएसबीईएफ ने प्रदेश के कई भागों नामतः जलगांव, लातूर, औरंगाबाद, सावंतवाड़ी तथा संगली से मुम्बई के लिए ''जनता का धन जनता के कल्याण के लिए'' नारे के साथ जत्था का आयोजन किया और युवा साथियों ने द्वार सभायें कीं, नुक्कड़ नाटक किए, हमारे आन्दोलन, एआईबीईए के संदेशों को व्यक्त करने के लिए ग्राम सभा नुक्कड़ बैठकों की व्यवस्था की। **पांच टीमों ने** राज्य के कई भागों में महाराष्ट्र के आम नागरिकों से **1 लाख हस्ताक्षर संग्रहित किए** जिसमें संगठन द्वारा जारी किए गए हस्ताक्षर अभियान के भाग के रूप में लोगों, बैंकिंग तथा देश की अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित 23–सूत्री मांगों को समझाया गया था। जत्था के मुख्य आकर्षणों को सम्मेलन में भी दिखाया गया था। साथी राजेन नागर, अध्यक्ष, एआईबीईए द्वारा जत्था में भागीदारी करने वाले साथियों को सम्मानित किया गया तथा अभिनन्दन किया गया।

चर्चाओं का उत्तर : एआईबीईए के महामंत्री ने, एआईबीईए के युवा साथियों द्वारा उठाये गए प्रश्नों का उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधियों द्वारा उठाये गए बिन्दुओं को आवश्यक निवारण के लिए उचित ध्यान दिया

जारी पृष्ठ 5

जाएगा। उन्होंने चर्चा में प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। उन्होंने आईबीए के साथ द्विपक्षीय वार्ता में नवीनतम घटनाक्रमों को भी समझाया।

घोषणापत्र को अंगीकृत करना : सम्मेलन ने एक घोषणापत्र अंगीकृत किया जो प्रतिनिधियों की प्रसन्नतापूर्ण सहमति के मध्य सम्मेलन के समापन पर लिया गया। घोषणा पत्र एक दोहराव था स्पष्ट और भ्रमरहित निश्चय जो बैंक के युवाओं के द्वारा उनके चारों ओर फैली चुनौतियों के ज्ञान और इन हमलों को एआईबीईए के ध्वज तले और अधिक एकता तथा संघर्ष द्वारा पलटने का निश्चय।

प्रस्ताव : सम्मेलन द्वारा निम्नलिखित प्रस्तावों को सर्वसम्मति से अंगीकृत किया गया।

1. **जन–विरोधी आर्थिक नीतियों और श्रम कानूनों में संशोधन के प्रस्ताव के विरूद्ध।**
2. **प्रतिगामी बैंकिंग क्षेत्र सुधारों और खराब ऋणों के विरूद्ध।**
3. **शीघ्र वेतन समझौते की मांग करने के लिए।**
4. **सभी बैंकों में पर्याप्त भर्ती की मांग करने के लिए।**
5. **नियमित कार्यों की आउटसोर्सिंग तथा ठेकाकरण के विरूद्ध और बैंकों की नियमित सेवाओं में ठेका मजदूरों तथा बैंक मित्रों के नियमितीकरण की मांग करने के लिए।**
6. **यह मांग करने के लिए कि कर्मचारी, जो 1.4.2010 के उपरांत बैंक सेवा में आए हैं, महंगाई भत्ते से जुड़ी पेंशन योजना द्वारा शासित किये जायें।**
7. **सहकारी बैंक कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में।**
8. **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कर्मचारियों की मांगों और उनकी हड़ताल के समर्थन में।**
9. **आईडीबीआई बैंक में वेतन पुनरीक्षण का तत्काल सम्पन्न करना।**
10. **एआईबीओए को सुदृढ़ करना।**
11. **फैडरल बैंक में हमलों और साथी प्रतिमा पुजारी के शोषण के विरूद्ध और उनके तत्काल बहाली की मांग करने के लिए।**
12. **एआईबीईए के ध्वज तले बैंक कर्मचारियों की एकता को सुदृढ़ करने का।**

धन्यवाद प्रस्ताव : पूरे प्रतिभागियों ने सम्मेलन की सफलता के लिए की गई अद्भुत व्यवस्थाओं के लिए नेताओं तथा महाराष्ट्र स्टेट बैंक इम्पलाईज फैडरेशन के स्वयंसेवकों का शुक्रिया तथा प्रशंसा की। साथी नन्दू चवन, अध्यक्ष तथा साथी डी आर तुलजापुरकर, महामंत्री, एमएसबीईएफ ने सहयोग के लिए सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

प्रिय साथियों, इस युवा सम्मेलन तथा हमारे युवा सदस्यों की क्षमता ने एआईबीईए को और भी ऊंचाईयों पर ले जाने की हमारी रणनीतियों और योजनाओं पर कार्य करने के लिए एक अद्भुत अनुभव दिया है। उनकी स्पष्टता उत्साहजनक है। एआईबीईए के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आश्वासनपूर्ण है। ट्रेड यूनियन में उनका विश्वास आशाजनक है। उनका उत्साह प्रेरणादायक है। हमारे युवा साथियों को लाल सलाम।

अभिवादन सहित,

आपका साथी
ह0..
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री

एआईबीईए युवा सम्मेलन का घोषणा पत्र

24 से 26 मार्च, 2018 को मुम्बई में आयोजित 2सरे राष्ट्रीय युवा सम्मेलन के प्रतिभागियों ने एआईबीईए द्वारा इस सम्मेलन को आयोजित करने के बारे में अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

सम्मेलन ने आश्वस्त किया कि कामगार वर्ग तथा श्रम संगठन आन्दोलन पर बढ़ते हुए हमलों के कारण अतीत की तुलना में आज और अधिक सुदृढ़ श्रम संगठनों की आवश्यकता है। हमारी आजीविका, आजीविका सुरक्षा हमारे वेतन और सेवाशर्तों पर। मजदूरों की एकता को कमजोर करने के लिए आक्रामक हमले हैं और इस समय के लिए, हम सभी को अपनी एकता तथा हमारी यूनियनों को सुदृढ़ करना चाहिए।

सम्मेलन को ज्ञात ही है कि हमारा प्रिय एआईबीईए बैंक कर्मचारियों की एकता और जुझारूपन के कारण तथा हमारे महान नेताओं की मदद से पिछले 7 दशकों में एक शक्तिशाली संगठन के रूप में बना है।

वह सब जिसका हम आज आनंद उठा रहे हैं, चाहे यह हमारे वेतन हो, चाहे यह हमारी सेवा शर्तें हों, चाहे हमारे हितलाभ हों, चाहे हमारे श्रम संगठन अधिकार हों, ये सभी सामूहिक सौदेबाजी और वर्षों के संघर्ष का परिणाम हैं।

सम्मेलन का मानना है कि इन सभी अधिकारों और लाभों को हमारे निरन्तर संघर्षों के द्वारा संरक्षित किया जाना चाहिए जबकि सुधार करने के प्रयास भी किये जाने चाहिए।

सम्मेलन का दृढ़ता से मानना है कि बेहतर वेतन के लिए संघर्ष करने के अलावा, हमें आजीविका तथा आजीविका सुरक्षा के बारे में और चिन्तित होना चाहिए क्योंकि आजीविका सुरक्षा को असुरक्षित करने के ठोस प्रयास हैं जो एआईबीईए की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जब हमारे देश के युवाओं को रोजगार की आवश्यकता है, सरकार आउटसोर्सिंग, ठेका कार्यों की नीति को बढ़ा रही है और पर्याप्त भर्तियां नहीं कर रही है। सम्मेलन प्रस्ताव करता है कि एआईबीईए के ध्वज तले इससे शक्तिपूर्वक संघर्ष करना चाहिए।

इसी तरह, बैंकिंग क्षेत्र में भी संकट बढ़ रहा हैं। स्पष्ट संकेत हैं कि सरकार बैंकिंग सुधारों के नाम पर क्या चाहती है। वे अविनियमन, उदारीकरण, निजीकरण, विलय, आदि चाहते हैं।

बैंकों में एकमात्र बड़ी समस्या चिंताजनक और विशाल खराब ऋण हैं। कॉर्पोरेट चूककर्ताओं से देय इन खराब ऋणों को वसूल करने की कार्रवाई करने के बजाय, सरकार बैंकों को इसी निजी क्षेत्र को सौंपने की कोशिश कर रही है जो खराब ऋणों के लिए जिम्मेदार है। सम्मेलन प्रस्ताव करता है कि इन हमलों के विरूद्ध हमारे संघर्ष को तेज किया जाना चाहिए।

सम्मेलन नोट करता है कि हमारा 11वां द्विपक्षीय वेतन पुनरीक्षण आईबीए तथा सरकार द्वारा विलंबित किया जा रहा है। सम्मेलन का मानना है कि मुद्रास्फीति और जीवनयापन की उच्च लागत को देखते हुए हमारे वेतन में पर्याप्त वृद्धि की जानी है। सम्मेलन एक संतोषजनक वेतन समझौता हासिल करने के लिए हड़तालों सहित सभी उपाय करने के लिए एआईबीईए का आह्वान करता है।

सम्मेलन सभी राज्यों में तथा सभी बैंकों में बैंक युवाओं से यूनियनों में अधिक से अधिक सक्रिय भूमिका निभाने और आने वाले दिनों में संगठन का नेतृत्व करने के लिए खुद को तैयार करने का आग्रह करता है।

सम्मेलन संगठन के नेतृत्व में युवा कर्मचारियों के लिए विशेष स्थान प्रदान करने के लिए उपनियमों की नियमावली में संशोधन के लिए एआईबीईए का धन्यवाद करता है।

यह सम्मेलन सभी युवा बैंक कर्मचारियों का आह्वान करता है कि श्रम संगठन को गम्भीरतापूर्वक लें और एआईबीईए को और अधिक सुदृढ़ संगठन बनायें।